

24/25 पत्रावली पेय डमी। शुभ  
वाक्य अदम्य राजसे पेकी कलकत्ता  
में नमस्कार है। यह पत्रावली  
आगे कथिनाही उचित नहीं है।  
अतः यह पत्रावली की शर्त लंब  
पर अदम्य राजसे अदम्य पेकी  
में खाजि की जाती है। पत्रावली  
केवल शुभ होकर नष्ट ले कर है।  
बाद शर्त उचित उपाय है।

उपखण्ड अधिकारी  
बहरोड़ (कोटपूतली-बहरोड़)